

लक्षिका डागर बर्नी मध्य प्रदेश की सबसे युवा सरपंच

चर्चा में क्यों?

हाल ही में मध्य प्रदेश में संपन्न हुई त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में उज्जैन की 21 वर्षीय लक्षिका डागर शानदार जीत हासिल कर मध्य प्रदेश की सबसे कम उम्र की सरपंच (एक गाँव की मुखिया) बन गई हैं।

प्रमुख बटि

- 21 साल की लक्षिका डागर ने उज्जैन ज़िले की चितामन जवासिया ग्राम पंचायत से चुनाव जीतकर यह गौरव हासिल किया है।
- लक्षिका ने प्रतदिवंदी उम्मीदवार को 487 मतों से हराकर यह जीत हासिल की है।
- लक्षिका ने जनसंचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा के पश्चात् उज्जैन में रेडियो जॉकी तथा न्यूज़ एंकर के रूप में काम किया है।
- गौरतलब है कि ज़िमीनी स्तर पर लोकतंत्र की स्थापना करने के लिये 73वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 के माध्यम से पंचायती राज संस्थानों को संवैधानिक स्थिति प्रदान की गई और उन्हें देश में ग्रामीण विकास का कार्य सौंपा गया।
- उन राज्यों को छोड़कर, जिनकी जनसंख्या 20 लाख से कम है ग्राम, मध्यवर्ती (परखंड/तालुक/मंडल) और ज़िला स्तरों पर पंचायतों की त्रिस्तरीय प्रणाली लागू की गई है (अनुच्छेद 243B)।
- सभी स्तरों पर सीटों को प्रत्यक्ष निर्वाचन द्वारा भरा जाना है [अनुच्छेद 243C(2)]
- मतदाता सूची के अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण के लिये प्रत्येक राज्य में स्वतंत्र चुनाव आयोग होंगे (अनुच्छेद 243K)।